बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -03-01-2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों हार्दिक शुभकामनाएँ नववर्ष की।

ऊष्म व्यंजन – ऊष्म = गर्म। इन व्यंजनों के उच्चारण के समय वायु मुख से रगड़ खाकर ऊष्मा पैदा करती है। यानी उच्चारण के समय मुख से गर्म हवा निकलती है। ये चार हैं- श, ष, स, ह।।

मात्राएँ

स्वरों के लिए निर्धारित चिह्न मात्राएँ कहलाती हैं।

'अ' स्वर के अतिरिक्त सभी स्वरों के मात्रा चिह्न होते हैं।

स्वर	मात्रा	वर्ण मात्रा के साथ		प्रयोग	मूल रूप
अ	मात्रा नहीं	क + अ = क	=	कमल, कर	अमरूद, अगरबत्ती
आ	ा	क + आ = का	=	काला, कपड़ा	आम, आग
इ	ि	म + इ = मि	=	मिठाई, मिठास	मित्र, मिलान
ई	ी	स् + ई = सी	=	सीख, सीमा	ईख, ईद
उ	ु	क् + उ = कु	=	कुली, कुम्हार	कुदाल, कुमार
ऊ	ू	च् + ऊ = चू	=	चूना, चूरमा	ऊन, ऊँट
ऋ	ृ	क् + ऋ = कृ	=	कृषि, कृष्ण	ऋषि, ऋण
ए	े	ठ् + ए = ठे	=	ठेला, ठेस	एड़ी, एकता
ऐ	ै	म् + ऐ = मै	=	मैला, मैच	ऐनक, ऐरावत
ओ	ो	क + ओ = को	=	कोयल, कोमल	कोमल, कोरा
औ	ौ	क + औ = कौ	=	कौन, कौतूहल	औरत, औकात

अनुस्वार और विसर्ग – हिंदी वर्णमाला के अनुस्वार (ं) तथा विसर्ग (ः) को 'अ' के साथ जोड़कर 'अं' और अः लिखा जाता है। और प्रायः इन्हें स्वरों के साथ रखा जाता है क्योंकि इनका उच्चारण स्वरों के साथ ही होता है; जैसे- गंगा, चंदा, प्रातः, अतः आदि। परंतु ये स्वर नहीं हैं। संस्कृत में इन्हें 'अयोगवाह' कहा जाता है क्योंकि ये 'अ' की सहायता से ही बोले जाते हैं।

अनुनासिक – इनका उच्चारण नाक और गले दोनों से होता है; जैसे- चाँद, गाँधी, आँगन, आदि इसका चिह्न (*) होता है। अनुस्वार वर्णमाला के पंचम वर्ण के स्थान पर प्रयोग में आता है।

हिंदी वर्णमाला में स्वरों की संख्या होती है
(i) नौ
(ii) दस
(iii) ग्यारह
(iv) तेरह

7. य, र, ल, व व्यंजन कहलाते हैं
(i) ऊष्म
(ii) अंतस्थ
(iii) अनुस्वार
(iv) अनुनासिक

8. इनमें कौन-सा अयोगवाह है?
(i) क्
(ii) अ
(iii) अं
(iv) म्